पासिंग आउट सरेमनी का आयोजन

कन्या गुरूकुल के मनोविज्ञान विभाग में आज दिनांक 02.06.2026 स्नातकोत्तर छात्राओ के लिए पासिंग आउट सेरेमनी का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गुरूकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० प्रतिभा. एम. लूथरा रही। समारोह के दौरान छात्राओं ने विभाग में अपने साथ हुये अनुभवो को साझा किया और विभाग को किस तरह और बेहतर बनाया जाये इस पर अपने विचार प्रस्तुत किया। समारोह को मुख्य अतिथि ने छात्राओं को संबोधित करते हुये निरंतर परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का महत्व बताया। इसके पश्चात इस सत्र मे अधिकतम अंक लाने वाली छात्राओं को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिये प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किये। कुलपति महोदया ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना की तथा उन्हे भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। पुरस्कार प्राप्त करने वालो विद्यार्थियों के चेहरे पर प्रसन्नता एवं उत्साह स्पष्ट दिखाई दे रहा था। प्रो० लूथरा ने महर्षि याज्ञवल्कय और उनकी विदुषी पत्नी मैत्रेयी की कहानी सुना कर छात्राओं को बताया कि भौतिक धन और सांसारिक सुख केवल अस्थायी है, जबकि आध्यत्मिक ज्ञान और आत्म–साक्षात्कार ही मनुष्य को वास्तविक शांति और अमरत्व प्रदान करती है अतः छात्राओं को आत्म–साक्षात्कार करते हुये सही और गलत का निर्णय लेना चाहिये और अपने करियर के लिए सही पथ का चयन करना चाहिये।

डॉ सुनिता रानी ने मनोविज्ञान विभाग की वार्षिक रिर्पोट प्रस्तुत करते हुए बताया कि विभाग की एक छात्रा ऋचा अग्निहोत्री ने नेट व गेट की राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा को 41 वीं अंक के साथ उत्तीर्ण किया तथा विभाग की छात्राओं के शैक्षाणिक, खेल और सास्कृतिक क्षेत्र की उपलब्धियों को सामने रखा। उन्होने पास आउट होने वाले बैच के शानदार प्लेसमेंट और परीक्षा परिणामो की चर्चा की। डॉ ऋचा सक्सैना ने कहा कि, यह शिक्षा केवल एक कागज का टुकड़ा नही है, बल्कि आपके कठिन परिश्रम और समर्पण का प्रतीक है। अब समय है कि आप समाज और देश के विकास में सब अपना योगदान दे। उन्होने छात्राओं को जीवन की नई चुनौतियो का सामना साहस और ईमानदारी से करने की सीख दी। कार्यक्रम का संचालन डा० सुनिता रानी, डा० ऋचा सक्सैना व डा० पारूल मलिक ने किया। लैब अस्सिटेन्ट दीपा साहू व हरिराम का कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग रहा।